प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 14/06/2023 को अखिल भारतीय विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रचार – प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए तथा खान मंत्रालय के निदेशानुसार अधीनस्थ क्षेत्रीय एवं आंचलिक कार्यालयों में कार्यरत हिन्दी संपर्क अधिकारियों एवं हिन्दी कार्य से जुड़े कार्मिकों हेतु भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 14 जून, 2023 को अखिल भारतीय विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस हिंदी कार्यशाला में कुल 31 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर आयोजित उदघाटन समारोह की अध्यक्षता मुख्य खान नियंत्रक श्री पी. एन. शर्मा ने की तथा मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्य खान नियंत्रक श्री पंकज कुलश्रेष्ठ उपस्थित थे। इस अवसर पर खान नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी डॉ. वाय. जी. काले विशेष रूप से उपस्थित थे।

अपने संबोधन में राजभाषा अधिकारी डॉ. वाय. जी. काले ने इस कार्यशाला की भूमिका एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सभी को अपने क्षेत्रों में ऐसी कार्यशाला आयोजित करने कर सुझाव दिया। मुख्य खान नियंत्रक श्री पंकज कुलश्रेष्ठ ने राजभाषा विभाग द्वारा जारी विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रतिभागी अपने कार्यालय में लौटने के पश्चात हिन्दी में कार्य करने हेतु प्रेरित करें। मुख्य खान नियंत्रक श्री. पी. एन. शर्मा ने हिन्दी में होनेवाली त्रुटियों व आनेवाली समस्या तथा इसके समाधान पर अपने विचार रखते हुए

इस कार्यशाला को उपयोगी बताया। श्री. ए. के. शर्मा, संपादक ने हिन्दी कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय दिया।

हिंदी कार्यशाला में वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के डॉ. मनोज कुमार, सचिव नराकास ने राजभाषा नीति व तिमाही प्रगति रिपोर्ट, श्री असीम कुमार, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली, राजभाषा अधिकारी डॉ. वाय. जी. काले ने राजभाषा विभाग द्धारा जारी निदेश, एवं श्री. ए. के. शर्मा, संपादक ने ई-ऑफिस में हिन्दी टंकण की जानकारी आदि विषयों पर अपने व्याख्यान दिए।

अपने व्याख्यान में डॉ. मनोज कुमार ने राजभाषा नीति विषय पर व्यापक रूप से अपने विचार रखे तथा तिमाही प्रगति रिपोर्ट को भरने में आने वाली कठिनाईयों का समाधान किया। श्री असीम कुमार, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने विभिन्न समितियों की जानकारी देते हुए संसदीय राजभाषा समिति के कार्यों के बारे मे विस्तार से बताया साथ ही संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली को भरने में आने वाली समस्याओं का समाधान किया। राजभाषा अधिकारी डॉ. वाय. जी. काले ने संविधान में राजभाषा से संबंधित विभिन्न अनुच्छेदों, कानूनी प्रावधानो, नियमों, अधिनियमों की विस्तृत जानकारी देते हुए हिन्दी के कार्यान्वयन हेतु भारत में विभाजित किए गए 'क', 'ख', एवं 'ग' क्षेत्रों के विषय में विस्तृत जानकारी दी। श्री. ए. के. शर्मा, संपादक ने ई-ऑफिस में हिन्दी टंकण में आने वाली समस्याओं व कठिनाईयों का समाधान किया ।

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने अपनी विशेष रूचि दिखाते हुए व्याख्याताओं से अपनी समस्याओं का निवारण किया साथ ही ऐसी कार्यशाला समय – समय पर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की इच्छा व्यक्त की।

कार्यशाला के पश्चात सभी प्रतिभागियों से कार्यशाला के विषय में उनकी प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त की गई। सभी प्रतिभागियों ने सकारात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त की साथ ही यह भी कहा कि कार्यशाला में

व्याख्याओं के साथ विचार – विमर्श आवश्यक है तथा ऐसी कार्यशाला दो दिन आयोजित करने की इच्छा व्यक्त करते हुए इस कार्यशाला को पूरी तरह से परिपूर्ण बताया। कार्यशाला के अंत में डॉ. वाय. जी. काले, राजभाषा अधिकारी द्वारा प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण – पत्र भी प्रदान किया गया।

कार्यशाला का मंच संचालन श्रीमती वीनू खत्री, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने किया। अंत में श्रीमती मिताली चटर्जी, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस विशेष हिंदी कार्यशाला के आयोजन में हिंदी अनुभाग के श्रीमती मिताली चटर्जी, श्री असीम कुमार, श्री किशोर डी. पारधी, श्रीमती वीनू खत्री, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, प्रदीप कुमार सिन्हा, श्री एम. एन. मोरे तथा श्री राहुल कौशिक ने भी योगदान दिया।